बजट सत्र

वन्य प्राणियों के प्रबंधन-संरक्षण पर दो साल में 64 करोड़ खर्च

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 11 मार्च। वन मंत्री विक्रम उसेंडी ने बताया कि वन्य प्राणियों के प्रबंधन संरक्षण एवं विकास पर 2 वर्षों में क्रमश: 25 करोड़ 55 लाख एवं इस वर्ष जनवरी तक 38 करोड़ 22 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा अलग-अलग योजनाओं में 30 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है।

बसपा सदस्य सौरभ सिंह के प्रश्नों के लिखित जवाब में श्री उसेंडी ने बताया कि वर्ष 2008-09 में वन्य प्राणियों के संरक्षण प्रबंधन पर 25 लाख 55 हजार रुपए खर्च किए गए थे। जबकि 2009-10 में 38 करोड़ 22 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। यह राशि राष्ट्रीय उद्यानों, अभ्यारण्यों एवं वन मंडल क्षेत्रों में वन्य प्राणियों के संरक्षण प्रबंधन पर खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 2008-09 में अभ्यारण्यों के विकास पर 4 करोड़ 31 लाख रुपए खर्च किए गए। प्रोजेक्ट टाईगर में 2 करोड़ 9 लाख रुपए, अचानकमार बायोस्फियर रिजर्व पर 1 करोड़ 41 लाख रुपए एवं प्रोजेक्ट एलीफेंट योजना में 79 लाख रुपए खर्च किए गए। मगरमच्छ संरक्षण योजना पर 99 लाख 90 हजार रुपए, चिड़ियाघरों के विकास पर रायपुर और बिलासपुर में 3 करोड़ 24 लाख रुपए, वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं विकास पर 4 करोड़ 44 लाख रुपए, जैव विविधता संरक्षण पर 4 करोड़ 84 लाख रुपए, नैसर्गिक पर्यटन के विकास पर 99 लाख 90 हजार रुपए एवं हाथी रहवास क्षेत्रों के विकास पर 1 करोड़ 77 लाख रुपए खर्च किए गए।

वर्ष 2009-10 में अभ्यारण्यों के विकास पर 16 जनवरी तक 75 लाख 92 हजार, प्रोजेक्ट टाईगर पर 11 करोड़ 84 लाख, अचानकमार बायोस्फियर रिजर्व पर 23 लाख 15 हजार, प्रोजेक्ट एलीफेंट योजना के तहत 18 लाख 17 हजार, मगरमच्छ संरक्षण योजना पर 54 लाख 85 हजार, चिड़ियाघरों के विकास (नंदनवन और कानन पेंडारी) पर 2 करोड़ 65 लाख रुपए और वन्य जीवों के संरक्षण एवं विकास पर 2 करोड़ 64 लाख रुपए, जैव विविधता संरक्षण पर 1 करोड़ 46 लाख रुपए, नैसर्गिक पर्यटन के विकास पर 31 लाख 37 हजार रुपए हाथी रहवास के क्षेत्रों के विकास पर 56 लाख 98 हजार रुपए खर्च किए गए।

वर्ष 2008-09 में केंद्र सरकार से प्रोजेक्ट टाईगर योजना में 2 करोड़ 53 लाख, अभ्यारण्यों के विकास के लिए 4 करोड़ 43 लाख, प्रोजेक्ट एलीफेंट के तहत 76 लाख 90 हजार, अचानकमार बायोस्फियर रिजर्व में 1 करोड़ 41 लाख इस तरह 9 करोड़ 16 लाख रुपए प्राप्त हुए। जबकि वर्ष 2009-10 में प्रोजेक्ट टाईगर स्कीम के तहत 15 करोड़ 56 लाख, अभ्यारण्यों के विकास के लिए 3 करोड़ 86 लाख, प्रोजेक्ट एलीफेंट के तहत 79.78 लाख, अचानकमार बायोस्फियर रिजर्व के लिए 72 लाख इस तरह 20 करोड़ 94 लाख रुपए प्राप्त हुए।

रायपुर जिले में अवैध वन कटाई के 14 सौ मामले

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 11 मार्च। वन मंत्री विक्रम उसेंडी ने विधानसभा में बताया कि रायपुर जिले में पिछले एक वर्ष के दौरान अवैध वनों की कटाई के 1417 मामले पंजीबद्ध किए गए।

कांग्रेस सदस्य शिव कुमार डहरिया के प्रश्नों के लिखित जवाब में श्री उसेंडी ने बताया कि 1 जनवरी 2009 से 31 जनवरी 2010 के बीच वनों की अवैध कटाई के कुल 1417 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। इन मामलों में 5 वाहन भी राजसात किए गए हैं। तस्करी का कोई मामला पंजीबद्ध नहीं किया गया है।

वन मंत्री ने बताया कि रायपुर वन मंडल क्षेत्र में अवैध वन कटाई के 453 मामले दर्ज गिए गए हैं। उदंती क्षेत्र में 324 मामले, पूर्व रायपुर क्षेत्र में 536 मामले और राज्य वन विकास द्वारा 104 मामले दर्ज कराए गए हैं। इस तरह कुल 1417 मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में भारतीय वन अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

65 लाख के 616 वायरलेस सेट खरीदे

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 11 मार्च। वन मंत्री विक्रम उसेंडी ने विधानसभा में बताया कि पिछले तीन वर्षों के दौरान वन विभाग द्वारा 65 लाख रुपए के 616 वायरलेस सेट खरीदे। ये सेट अलग-अलग वन मंडलों को दिए गए हैं।

कांग्रेस सदस्य मो. अकबर के प्रश्नों के लिखित जवाब में वन मंत्री ने बताया कि वर्ष 2004-05 में दो संस्थाओं संचार एंटीना एंड कम्युनिकेशन सिस्टम नई दिल्ली से 165 नग सेट 17 लाख 71 हजार और विट्रान कर्न्वजेंसी लिमिटेड नोएडा दिल्ली से 147 नग सेट 21 लाख 64 हजार में खरीदे गए थे। इन वायरलेस सेटों की क्षमता 5 से 30 किलोमीटर है। जबकि 2005-06 में 46 वायरलेस सेट की खरीदी की गई इसमें 44 सेट विट्रान कर्न्वजेंसी और 2 मोटोरोला जीएम से 5 लाख 76 हजार और 32 हजार 960 में खरीदे गए।

जबकि 2006-07 में 258 नग वायरलेस सेटों की खरीदी की गई। इनमें 176 नग वायरलेस सेट थंडरवर्ल्ड नई दिल्ली से 13 लाख 85 हजार में और 82 नग विट्रान कर्न्वजेंसी से 6 लाख 42 हजार में खरीदे गए। इस तरह कुल 616 नग सेट 65 लाख 72 हजार से ज्यादा में लिए गए। उन्होंने बताया कि वायरलेस सेटों को अलग-अलग वनमंडलों को उपलब्ध कराया गया।

स्कूल शिक्षा के संविलियन पर अभी कोई निर्णय नहीं

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 11 मार्च। शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा में बताया कि स्कूली शिक्षा के संविलियन के संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। भविष्य में आवश्यकतानुसार उचित निर्णय लिया जाएगा।

कांग्रेस सदस्य नंदकुमार पटेल द्वारा पूछे गए प्रश्नों के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि प्रदेश के 18 जिलों में से 3 जिलों में शालाओं का संचालन पूरी तरह शिक्षा विभाग द्वारा तथा 9 जिलों में शालाओं का संचालन पूरी तरह आदिमजाति कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 6 जिलों में आदिवासी विकास खंडों में शाला संचालन आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा तथा सामुदायिक विकास खंडों में शाला संचालन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है। स्कूलों का संचालन केवल शिक्षा विभाग के द्वारा किए जाने संबंधी अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

भाजपा सदस्य नारायण चंदेल के एक अन्य प्रश्न के जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 7 जिलों, रायपुर, जगदलपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, रायगढ़ एवं अंबिकापुर में जिला ग्रंथागार संचालित किए जा रहे हैं।

3 जिले धमतरी, दंतेवाड़ा एवं कबीरधाम में जिला ग्रंथागार स्वीकृत है। जिसे प्रारंभ करने हेतु भवन निर्माण की कार्रवाई लोक निर्माण विभाग द्वारा की जा रही है। शेष जिलों में ग्रंथागार खोलने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

पीसीसी अध्यक्ष के लिए दावेदारों की दिल्ली दौड़

बड़े नेताओं से मिलकर ठोंक रहे हैं दावा

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 11 मार्च। प्रदेश कांग्रेस संगठन चुनाव से पहले ही अध्यक्ष पद के लिए जोड़-तोड़ शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि अध्यक्ष की कुर्सी पाने दावेदार दिल्ली दरबार में पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात कर अपना दावा मजबूत करने में जुट गए हैं।

प्रदेश कांग्रेस के संगठन चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि चुनाव का काम काफी सुस्त गति से चल रहा है। पार्टी हाईकमान ने सदस्यता अधियान के लिए 31 दिसंबर का समय तय किया था, लेकिन कुछ दिनों पहले तक सदस्य बनाने का काम चलता रहा। संगठन चुनाव की तैयारियों को देखते हुए माना जा रहा है कि चुनाव पिछड़ सकता है। पार्टी ने अप्रैल से बूथ स्तर के चुनाव करवाने का ऐलान किया है। इसके बाद जिला और प्रदेश स्तर के चुनाव निपटाए जाएंगे। सबसे आखिर में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना है। संभावना जताई जा रही है कि जुलाई में नया अध्यक्ष चुन लिया जाएगा।

पार्टी हाईकमान ने गुटबाजी को खत्म करने संगठन के पदाधिकारियों का चयन लोकतांत्रिक तरीके से करने का फैसला लिया है। लेकिन पार्टी के बड़े नेता अपने अपने समर्थकों को पद दिलाने जमकर जोड़-तोड़ कर रहे हैं। पार्टी नेताओं के मुताबिक जिला अध्यक्ष और महत्वपूर्ण पदों पर आम राय बनाने की कोशिश की जाएगी। यही वजह है कि पार्टी नेता पद पाने बड़े नेताओं से समर्थन हासिल करने में जुट गए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए दावेदार नेताओं ने अभी से दावेदारी शुरू कर दी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अध्यक्ष बनने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा बड़े नेता दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसमें प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू, कार्यकारी अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, पूर्व गृहमंत्री नंदकुमार पटेल, विधायक मोहम्मद अकबर, शिव डहरिया का नाम प्रमुखता से सामने आया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल भी अध्यक्ष पद के लिए इच्छुक बताए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने खुलकर इस बारे में कोई राय व्यक्त नहीं की है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि चुनाव के जरिए अध्यक्ष का चयन केवल औपचारिकता है। इसके लिए पार्टी के नेताओं की सहमति जरूरी है। पार्टी के बड़े नेताओं से समर्थन हासिल करने तमाम दावेदार राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी नारायण सामी तथा वरिष्ठ नेता मोतीलाल वोरा से मिल रहे हैं।

पिछले दो-तीन दिनों के भीतर लगभग सभी दावेदार नेता दिल्ली दरबार में हाजिरी बजा चुके हैं। दावेदारों की दिल्ली दौड़ से चुनाव को लेकर सरगरमी बढ़ गई है।

रामलीला में कई रोल निभाते हैं एजाज खान

विशेष संवाददाता

मुंगेली, 11 मार्च (छत्तीसगढ़)। कुंभकर्ण हो या बाली, जनक हो अथवा सुमंत की भूमिका, मुंगेली के एजाज खान के लिए महत्वपूर्ण है अभिनय। पिछले करीब 12 वर्षों से वे प्रत्येक वर्ष की रामलीला में विभिन्न भूमिकाएं निभाते आ रहे हैं। रावण के चरित्र से बेहद प्रभावित एजाज खान का सपना है कि वे रामलीला में इस विलक्षण पौराणिक चरित्र का रोल अदा करें।

तासीर से पूर्णत: धर्मनिरपेक्ष छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पैदा हुए एजाज खान के पिता नगर पालिका में कार्यरत थे। वे पूर्व मंत्री स्व. मोहम्मद बशीर खान के भतीजे हैं। यूं तो उन्हें अभिनय का शौक स्कूली दिनों से ही था लेकिन वह परवान चढ़ा बिछिया (मंडला, जिला मध्यप्रदेश) जाकर। वे वहां सरकारी कार्यों की ठेकेदारी का काम करते हैं।

मूलत: बांसुरी वादक एजाज खान को गायन और कविताएं लिखने का भी शौक है। छत्तीसगढ़ी फिल्में 'किसान-मितान' में वे हास्य प्रधान भूमिका निभा चुके हैं। मुंगेली के पास घोरपुरा गांव में छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मोर गांव' के फिल्मांकन के दौरान 'छत्तीसगढ़' से हुई बातचीत में श्री खान ने बताया कि रामलीला उन्हें बचपन से ही आकर्षित करती रही है। वे इसमें हमेशा से कोई रोल निभाना चाहते थे। उनकी इच्छा पूरी हुई बिछिया जाकर।

पहले कुछ वर्ष बाली, तो कुछ वर्ष सुमंत की उन्होंने भूमिकाएं निभाईं। एकाध वर्ष राजा जनक के रूप में भी वे दिखे। लेकिन पिछले 5-6 वर्षों से वे कुंभकर्ण का रोल निभा रहे हैं। उन्हें यह भूमिका पसंद तो है ही, उनकी कद-काठी के अनुरूप भी है। कुछ साल उन्होंने पर्दे के पीछे का काम भी सम्हाला। राम को वे अवतार पुरूष बताते हैं और मानते हैं कि दशहरा-दीवाली तो अच्छाई की बुराई पर विजय का त्यौहार हैं। इस पर किसी को एतराज करने का कोई कारण ही नहीं है।

एजाज बताते हैं कि वे परिवार सहित दीवाली पर दिए जलाते हैं, पटाखे फोड़ते हैं और अपनी पैतृक तिजौरी की पूजा करते हैं। होली के मौके पर उनके घर में ठेठरी-खुरमी बनती है और वे रंग-गुलाल का आनंद उठाते हैं।

बिछिया की रामलीला समिति विनोद रंगमंच से रामलीला खेलने वाले एजाज खान ने कुरान शरीफ के अलावा महाभारत, रामायण, रामचरित मानस भी पढ़ी है।

शिक्षित बेरोजगारों को पॉलीटेक्निक कॉलेज में व्यावसायिक प्रशिक्षण

रायपुर, 11 मार्च। शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक रायपुर द्वारा सामुदायिक विकास योजना (कम्युनिटी डेव्हलपमेंट थ्रू पॉलीटेक्निक) के तहत रायपुर एवं रायपुर शहर के आसपास के बेरोजगार युवाओं को विभिन्न व्यवसायों में कम अवधि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अन्तर्गत युवाओं को इलेक्ट्रीशियन, डाटा एन्ट्री आपरेटर, कम्प्युटर आपरेटर, कटिंग एण्ड टेलरिंग, कारपेन्ट्री एण्ड फर्नीचर मेकिंग आदि का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी और प्रवेश के लिए बैरन बाजार रायपुर स्थित शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक एफ-19 में सम्पर्क किया जा सकता है। इस कक्ष से प्रवेश के लिए नि:शुल्क आवेदन पत्र भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

नवा अंजोर से गरीब किसानों के जीवन में उजियारा

रायपुर, 11 मार्च। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन के लिए संचालित नवा अंजोर परियोजना गरीबों के जीवन में आशा की नई किरण बन कर आई है। प्रदेश के आदिवासी बहुल दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा) जिले के विकासखंड दंतेवाड़ा के ग्राम चितालूर के आदिवासी किसानों ने इस परियोजना के तहत अपने समहित समूह का गठन किया और साग-सब्जियों की खेती के जरिए अल्प अवधि में ही 20 हजार रूपए की मासिक आमदनी प्राप्त करने लगे। इस गांव के किसान दुर्जन सिंह और उनके पड़ोसी रामसिंह, महेश, शीतल तथा विजय अलग-अलग कुल पांच एकड़ जमीन में मरान धान की खेती करते थे। इससे उनके परिवार का भरण पोषण ठीक से नहीं हो पाता था और परिवार की जरूरतों को पूरा करने मजदूरी भी करनी पड़ती थी।

ऐसे समय में नवा अंजोर परियोजना से इन गरीब परिवारों के जीवन में बहार आ गई। सरल कागजी कार्यवाही पूरी कर इन लोगों ने श्री दुर्जन सिंह की अध्यक्षता में हिंगलाजी परदेशी माता समहित समूह का गठन कर सब्जी उत्पादन का व्यवसाय चुना। इस समूह को परियोजना से 67 हजार 500 रूपए के अनुदान की प्रथम किश्त मिली, जिससे उन्होंने नलकूप खनन कार्य के साथ संयुक्त रूप से बरबट्टी, भिंडी, मिर्च, बैगन, सेम तथा टमाटर के बीज लगाकर सब्जी उत्पादन शुरू किया।

द्वितीय किश्त के रूप में 74 हजार रूपए की अनुदान राशि प्राप्त होने पर इस समूह ने नलकूप में विद्युतीकरण, पम्प हाउस निर्माण, बाड़ी में फेंसिंग कार्य तथा सिंचाई हेतु पाईप क्रय का कार्य किया। आखिर दुर्जन सिंह और उनके साथी सदस्यों की मेहनत रंग लाई। इस समूह ने जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के बाजार में एक दुकान लगाकर बाड़ी में उत्पादित सब्जी बेचना शुरू कर दिया। हरी और ताजी सब्जियां होने के कारण उन्हें सब्जियों के अच्छे दाम मिलने लगे, जिससे थोड़े ही दिनों में 20 हजार रूपए की मासिक आमदनी प्राप्त होने लगी है। अब तो इस समूह के सभी सदस्यों और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो गई है तथा अपनी बाड़ी में चार-पांच लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

एक लाख से अधिक नसबंदी ऑपरेशन

रायपुर, 11 मार्च। 31 जनवरी 2010 तक एक लाख दस हजार 339 नसबंदी ऑपरेशन किए गए हैं। इनमें छह हजार 609 पुरूष और एक लाख तीन हजार 730 महिला नसबंदी शामिल है। यह वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए निर्धारित लक्ष्य एक लाख 94 हजार 696 के विरूद्ध 56.29 प्रतिशत है। संचालक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा सभी मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सरगुजा, कोरिया, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर में औसत से कम नसबंदी आपरेशन होने पर इन जिलों के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा नसबंदी शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

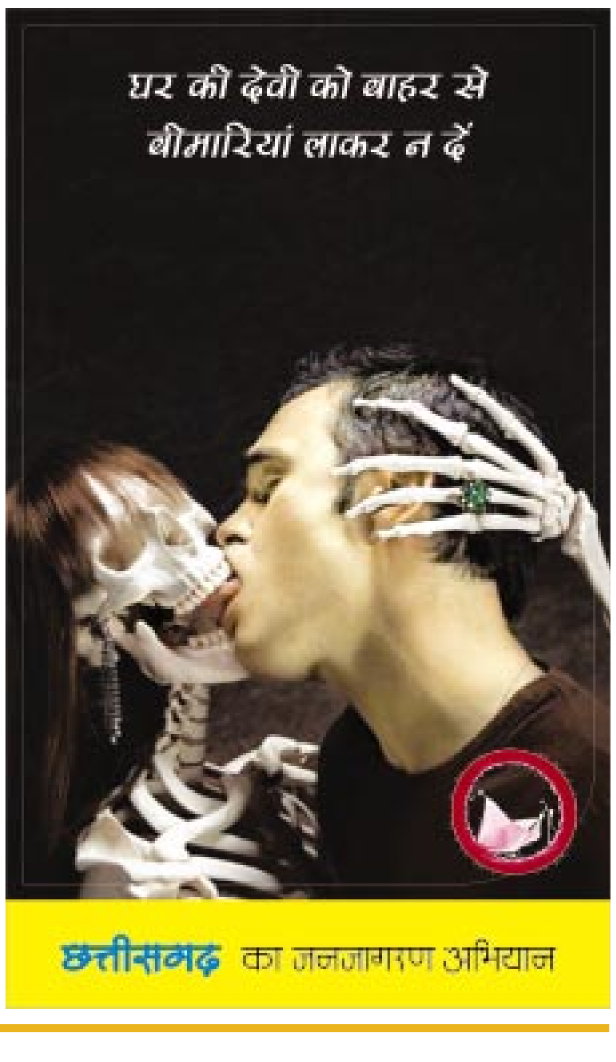

कांची कामकोटि पीठाधिपति जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी जयंत सरस्वती से आर्शीवाद लेते हुए धर्मस्व, संस्कृति व पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरिता अग्रवाल। छत्तीसगढ़ के प्रवास पर आये जगतगुरू शंकराचार्य रात्रि में श्री अग्रवाल के निवास पर पहुंचे जहां अग्रवाल दम्पत्ति ने सपरिवार उनका स्वागत आरती उतारकर एवं श्रीफल भेंटकर आर्शीवाद लिया।

गुरूकुल आश्रम के बच्चों की बेहतर देखभाल होगी : रमन

रायपुर, 11 मार्च। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने राजधानी रायपुर के तेन्दुवा रोड में नंदनवन के नजदीक ग्राम हतबंध स्थित गुरूकुल बालग्राम के बच्चों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए कहा है कि आगामी निर्णय होने तक गुरूकुल आश्रम के बच्चों की देखभाल की पूरी व्यवस्था राज्य शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा की जाएगी। फिलहाल आश्रम के किसी भी बच्चे को अन्यत्र नहीं भेजा जाएगा। उनकी सुरक्षा की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी। राज्य सरकार हर कदम पर इन बच्चों के साथ रहेगी। हमें भी उनके दु:ख-दर्द का अहसास है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि मंडल को यह भरोसा दिलाया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री सुश्री लता उसेण्डी भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री के आग्रह पर गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने गुरुवार शाम को आश्रम का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। श्री कंवर ने पुलिस अधिकारियों को आश्रम और वहां रहने वाले बच्चों तथा वहां के कर्मचारियों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

गृह मंत्री ने किया बालग्राम का दौरा

डॉ. रमन सिंह को विधानसभा परिसर में मुलाकात के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि विगत दिनों समाज कल्याण विभाग द्वारा करायी गयी जांच में आश्रम का कोई भी बच्चा गायब नहीं पाया गया। प्रतिनिधि मंडल का कहना था कि छत्तीसगढ़ जनकल्याण संघ द्वारा समाज के अनाथ, नि:शक्त और संकटग्रस्त बच्चों की मदद के लिए संचालित गुरूकुल बालग्राम की स्थापना विगत 12 अगस्त 2005 को जनसहयोग से की गयी थी। इस आश्रम में अनाथ बच्चों के लिए भोजन, आवास और शिक्षा की नि:शुल्क व्यवस्था है। कुछ आकस्मिक परेशानियों का उल्लेख करते हुए प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से आश्रम के संचालन में उचित सहयोग का आग्रह किया। डॉ. रमन सिंह ने समाज कल्याण विभाग के सचिव एस.के.बेहार को आश्रम के बच्चों की देखभाल के लिए सभी जरूरी उपाय सुनिश्चित करने और पुलिस अधीक्षक रायपुर अमित कुमार को आश्रम की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री से मिलने आए प्रतिनिधि मंडल में श्रीमती